SHODH SAGAR
Universal Research Reports
ISSN: 2348-5612 | Vol. 11 | Issue 2 | Apr-Jun 2024 | Peer Reviewed & Refereed

शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों में अध्यनरत महिला एवं पुरुष प्रशिक्षणार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा का तुलनात्मक अध्ययन

साक्षी पाल*,
एम.एड.छात्रा
शिक्षा विभाग, शिक्षा संकाय, स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय, मेरठ

डॉ. इंदिरा सिंह
प्रोफेसर
शिक्षा विभाग, शिक्षा संकाय, स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय, मेरठ

Published: 23/04/2024
DOI : https://doi.org/10.36676/urr.v11.i2.05

* Corresponding author

सारांश

शिक्षा हम सभी के उज्जवल भविष्य के लिए अति आवश्यक है। हम जीवन में शिक्षा के द्वारा ही कुछ अच्छा प्राप्त कर सकते हैं। देश की उन्नति एवं विकास के लिए शिक्षा आवश्यक है। शिक्षा न केवल माता के समान पालन पोषण करती है बल्कि पिता के समान उच्च मार्गदर्शन करते हुए उच्च मूल्यों व उपलब्धि अभिप्रेरणा का विकास कर व्यक्ति को श्रेष्ठ कार्यों में लगाती है। शिक्षा के द्वारा ही व्यक्ति की कीर्ति का प्रकाश चारों ओर फैलता है। शिक्षा, व्यक्ति तथा देश की प्रगति में सहायक है। किसी भी देश या समाज को उन्नति के शिखर पर पहुँचाने के लिए वहाँ शिक्षा का दीप जलाना अत्यंत आवश्यक है। मानव जीवन में शिक्षा का विशेष महत्व है। शोधकर्त्री ने प्रस्तुत शोध कार्य में शिक्षण प्रशिक्षण संस्थानों में अध्यनरत महिला एवं पुरुष प्रशिक्षणार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा पर तुलनात्मक अध्ययन किया है। आंकड़ों के संकलन हेतु शोधकर्त्री द्वारा मानकीकृत परीक्षण का प्रयोग किया गया है। शोध कार्य के संपादन हेतु कुल 140 शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों का चयन यादृच्छिकी न्यादर्शन की लॉटरी विधि द्वारा किया गया। आंकड़ों के विश्लेषण से सरकारी तथा गैर-सरकारी शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयो में अध्यनरत पुरुष एवं महिला प्रशिक्षणार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा में सार्थक अंतर प्राप्त हुआ।

मुख्य शब्द- शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान, पुरुष प्रशिक्षणार्थी, महिला प्रशिक्षणार्थी, उपलब्धि अभिप्रेरणा

1. भूमिका

शिक्षा हम सभी के उज्जवल भविष्य के लिए अति आवश्यक है। हम जीवन में शिक्षा के द्वारा ही कुछ अच्छा प्राप्त कर सकते हैं। देश की उन्नति एवं विकास के लिए शिक्षा आवश्यक है। शिक्षा न

© 2024 Published by Shodh Sagar. This is an open access article distributed under the terms of the Creative Commons License [CC BY NC 4.0] and is available on https://urr.shodhsagar.com

केवल माता के समान पालन-पोषण करती है बल्कि पिता के समान उच्च मार्गदर्शन करते हुए उच्च मूल्यों व उपलब्धि अभिप्रेरणा का विकास कर व्यक्ति को श्रेष्ठ कार्यों में लगाती है। शिक्षा के द्वारा ही व्यक्ति की कीर्ति का प्रकाश चारों ओर फैलता है। शिक्षा, व्यक्ति तथा देश की प्रगति में सहायक है। किसी भी देश या समाज को उन्नति के शिखर पर पहुंचाने के लिए वहाँ शिक्षा का दीप जलाना अत्यंत आवश्यक है। मानव जीवन में शिक्षा का विशेष महत्व है क्योंकि प्रत्येक व्यक्ति शिशु के रूप में कुछ पाशविक प्रवृत्तियां लेकर इस विश्व में असहाय प्राणी के रूप में जन्म लेता है। शिक्षा जीवन का संपूर्ण शास्त्र है एवं सामाजिक उद्देश्य की पूर्ति का एक सामाजिक साधन है। वर्तमान में यह माना जाता है कि शिक्षा प्रदान करने में परिवार के बाद दूसरा प्रमुख स्थान विद्यालय का होता है। शिक्षा, विद्यार्थी जीवन एवं विद्यालयी क्रियाकलापों में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है। भाटिया, अंशु(2013) ने "उच्च एवं निम्न उपलब्धि वाले उच्च माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि अभिप्रेरणा तथा आकांक्षा स्तर का तुलनात्मक अध्ययन"पर शोध किया। शंभू कुमार मंडल (2014-15) ने अपना शोध दरभंगा जिले के माध्यमिक स्तर के कला एवं विज्ञान संकाय के दुश्चिंता के स्थाई शीलगुणो का शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन विषय पर शोध किया। पांडे और श्रीवास्तव (2016) ने चिंता, अवसाद और उच्च माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के बीच शैक्षणिक उपलब्धि के संबंध में तनाव पर शोध किया।ज्योतसना (2017) ने "उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा के आयाम "शैक्षिक सफलता की आवश्यकता' पर आत्म-सम्प्रत्यय व संवेदगात्मक बुद्धि का प्रभाव"का अध्ययन विषय पर शोध किया।भार्गव, सुनीता(2018) ने "विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा का उनके समायोजन पर प्रभाव: एक अध्ययन"विषय पर शोध किया।कुलदीप,(अक्टूबर,2019) ने "माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि अभिप्रेरणा का तुलनात्मक अध्ययन विषय "पर शोध किया।सिंह, ममता (2021) ने "रीवा जिले के माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत छात्र- छात्राओं के मध्य उपलब्धि अभिप्रेरणा का तुलनात्मक अध्ययन विषय"पर शोध किया।

2.अध्ययन के उद्देश्य

1.सरकारी तथा गैर-सरकारी शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में अध्यनरत पुरुष प्रशिक्षणार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा का तुलनात्मक अध्ययन।

2.सरकारी तथा गैर-सरकारी शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में अध्यनरत महिला प्रशिक्षणार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा का तुलनात्मक अध्ययन।

© 2024 Published by Shodh Sagar. This is an open access article distributed under the terms of the Creative Commons License [CC BY NC 4.0] and is available on https://urr.shodhsagar.com

3.शोध परिकल्पनाएं

1. सरकारी तथा गैर-सरकारी शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में अध्यनरत पुरुष प्रशिक्षणार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा में सार्थक अंतर नहीं है।

2. सरकारी तथा गैर-सरकारी शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में अध्यनरत महिला प्रशिक्षणार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा में सार्थक अंतर नहीं है।

4. अध्ययन का परिसीमन

1. प्रस्तुत अध्ययन मेरठ मंडल के सरकारी एवं गैर-सरकारी (निजी) शिक्षक शिक्षा संस्थानों तक सीमित रहेगा।
2. प्रस्तुत अध्ययन बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा तक सीमित रहेगा।
3. प्रस्तुत शोध कार्य हेतु 140 प्रशिक्षणार्थियों (70 महिला, 70 पुरुष) का चयन न्यादर्श हेतु किया गया है।
4. प्रस्तुत शोधप्रपत्र को एक- चर उपलब्धि अभिप्रेरणा के अध्ययन तक सीमित रखा गया है।

5. जनसंख्या- प्रस्तुत शोध अध्ययन में चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ के सरकारी एवं गैर-सरकारी शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयो में अध्ययनरत समस्त बी.एड.प्रशिक्षणार्थी जनसंख्या के रूप में सम्मिलित है।

6.शोध अध्ययन का न्यादर्श - प्रस्तुत अध्ययन में शोधकर्त्री ने यादृच्छिकी न्यादर्शन की लॉटरी विधि द्वारा 7 सरकारी तथा 7 गैर-सरकारी शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयो से कुल 140 प्रशिक्षणार्थियों का चयन किया। प्रत्येक प्रशिक्षण महाविद्यालय से 10-10 बी.एड. के प्रशिक्षणार्थी न्यादर्श के रूप में लिए गए।शोधकर्त्री द्वारा चयनित न्यादर्श का वितरण सारणी-1 में प्रस्तुत है-

सारणी-1(अ) न्यादर्श हेतु चयनित सरकारी शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय

क्रम संख्या	शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों के नाम	चयनित प्रशिक्षणार्थियों की संख्या		
		पुरुष प्रशिक्षणार्थी	महिला प्रशिक्षणार्थी	कुल
1.	शहीद मंगल पांडे मेरठ	5	5	10
2.	मेरठ कॉलेज ऑफ एजुकेशन	5	5	10
3.	एन.ए.एस. कॉलेज मेरठ	5	5	10
4.	चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय	5	5	10
5.	बड़ोद कॉलेज ऑफ़ एजुकेशन	5	5	10

© 2024 Published by Shodh Sagar. This is an open access article distributed under the terms of the Creative Commons License [CC BY NC 4.0] and is available on https://urr.shodhsagar.com

6.	**आर.जी. कॉलेज मेरठ**	5	5	10
7.	**स्माइल कॉलेज मेरठ**	5	5	10
			कुल योग	**70**

सारणी-1(ब) न्यादर्श हेतु चयनित गैर सरकारी शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय

क्रम संख्या	**शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों के नाम**	**चयनित प्रशिक्षणार्थियों की संख्या**		
		पुरुष प्रशिक्षणार्थी	**महिला प्रशिक्षणार्थी**	**कुल**
1.	**विद्या नॉलेज पार्क ऑफ़ एजुकेशन**	5	5	10
2.	**दीवान कॉलेज ऑफ़ एजुकेशन**	5	5	10
3.	**डी. एन. कॉलेज मेरठ**	5	5	10
4.	**काइट ग्रुप ऑफइंस्टीट्यूट**	5	5	10
5.	**मेरठ इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी**	5	5	10
6.	**एस्ट्रोन कॉलेज ऑफ़ एजुकेशन**	5	5	10
7.	**गांधी इंस्टिट्यूट ऑफ़ प्रोफेशनल एंड टेक्निकल स्टडीज**	5	5	10
			कुल योग	**70**

7. <u>प्रस्तुत अध्ययन में प्रयुक्त शोध विधि</u>- प्रस्तुत शोध कार्य में शोधकर्त्री द्वारा वर्णनात्मक अनुसंधान की सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

8. <u>उपकरण-</u>अनुसंधान से संबंधित सूचना प्राप्त करने हेतु जिन साधनों का उपयोग करते हुए आधार सामग्री एकत्र की जाती है उन्हें शोध उपकरण की संज्ञा दी जाती है।प्रस्तुत शोध में प्रयुक्त उपकरण इस प्रकार हैं-

शिक्षा संस्थानों में बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा जानने हेतु प्रो. प्रतिभा देओ एवम डॉ.आशा मोहन द्वारा निर्मित “अचीवमेंट मोटिवेशन स्केल”(achievement motivation scale) नामक परीक्षण का प्रयोग किया गया।उक्त मापनी में 50 प्रश्न है। इन 50 प्रश्नों में से 37 सकारात्मक तथा 13 नकारात्मक कथन है। अभिवृत्ति मापने के प्रत्येक पद पर प्रतिक्रियाएं प्राप्त करने हेतु पांच विकल्प दिए गए- यथा हमेशा, बार-बार, कभी-कभी, कभी-कभार, कभी नहीं। उपलब्धि अभिप्रेरणा मापन हेतु प्रतिक्रियाओ को सारणी 2 में स्पष्ट किया गया है।

© 2024 Published by Shodh Sagar. This is an open access article distributed under the terms of the Creative Commons License [CC BY NC 4.0] and is available on https://urr.shodhsagar.com

ISSN: 2348-5612 | Vol. 11 | Issue 2 | Apr-Jun 2024 | Peer Reviewed & Refereed

सारणी- 2 उपलब्धि अभिप्रेरणा मापन हेतु प्रतिक्रियाओं का वितरण

कथन	हमेशा	बार-बार	कभी-कभी	कभी-कभार	कभी नहीं
नकारात्मक	0	1	2	3	4
सकारात्मक	4	3	2	1	0

9. प्रयुक्त सांख्यिकीय प्रविधियां -

1. शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों में अध्यनरत बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा संबंधी प्रदतों का विश्लेषण उपलब्धि अभिप्रेरणामापनी के आधार पर प्रो. प्रतिभा देओ एवं डॉ. आशा मोहन द्वारा निर्धारित मानकों की सहायता से किया गया।
2. शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों में अध्यनरत बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा के तुलनात्मक अध्ययन में मध्यमान, मानक विचलन एवं टी टेस्ट का प्रयोग किया गया।

$$\text{Mean } (x) = \frac{\Sigma x}{n}$$

$$t = \frac{\overline{x} - \mu}{\frac{\sigma}{\sqrt{n}}}$$

$$\sigma = \sqrt{\frac{\sum (x_i - \mu)^2}{N}}$$

3. सार्थकता स्तर - प्रस्तुत अध्ययन में परिकल्पनाओं का परीक्षण 0.05 एवं 0.01 स्तरों पर किया गया।

10.प्रदतों का सांख्यिकीय विश्लेषण एवं व्याख्या

1. सरकारी तथा गैर सरकारी शिक्षकप्रशिक्षण महाविद्यालयो में अध्यनरत पुरुष प्रशिक्षणार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा की तुलना का सांख्यिकीय विश्लेषण एवं व्याख्या

OPEN ACCESS
© 2024 Published by Shodh Sagar. This is an open access article distributed under the terms of the Creative Commons License [CC BY NC 4.0] and is available on https://urr.shodhsagar.com

परिकल्पना-1सरकारी तथा गैर-सरकारीशिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में अध्यनरत पुरुष प्रशिक्षणार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा में सार्थक अंतर नहीं है।प्रस्तुत अध्ययन का पहला उद्देश्य सरकारी तथा गैर-सरकारी शिक्षकप्रशिक्षण महाविद्यालयों में अध्यनरत पुरुष प्रशिक्षणार्थियों की उपलब्धिअभिप्रेरणा का तुलनात्मक अध्ययन करना प्रस्तावित था। निर्धारित उद्देश्यों की पूर्ति हेतु मध्यमान, मानक-विचलन एवं टी प्राप्तांक का प्रयोग किया गया। टी मान के द्वारा मध्यमानो के मध्य प्राप्त अंतर की सार्थकता की जांच की गई जिसे सारणी-3 में दर्शाया गया है।

सारणी-3

सरकारी तथा गैर सरकारी प्रशिक्षण महाविद्यालयों में अध्यनरत पुरुष प्रशिक्षणार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा का तुलनात्मक अध्ययन

क्रम संख्या	प्रशिक्षणार्थी	न्यादर्श	मध्यमान	मानक-विचलन	टी प्राप्तांक	सार्थकता स्तर
1.	सरकारी पुरुष प्रशिक्षणार्थी	35	168.172	25.89	10.35	0.01 स्तर पर सार्थक अंतर
2.	गैर सरकारी पुरुष प्रशिक्षणार्थी	35	139.9	19.47		

अपेक्षित टी मान = 0.05 स्तर पर 1.96

0.01 स्तर पर 2.58

सारणी-3 के अनुशीलन से यह स्पष्ट है कि सरकारी तथा गैर-सरकारीशिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में अध्यनरत पुरुष प्रशिक्षणार्थियों कीउपलब्धि अभिप्रेरणा मापनी में मध्यमान क्रमशः 168.172 तथा 139.9 प्राप्त हुआ। इसी क्रम में मानक विचलन 25.89, 19.47 प्राप्त हुआ। मध्यमान के आधार पर सरकारी तथा गैर-सरकारी पुरुष प्रशिक्षणार्थियोंकीउपलब्धि अभिप्रेरणा में प्राप्त अंतर की सार्थकता हेतु `टी-मान 10.35 प्राप्त हुआ। यह टी-मान अपेक्षित सारणीकृत मान से अधिक है।अतः सरकारी तथा गैर-सरकारी पुरुष प्रशिक्षणार्थियों कीउपलब्धिअभिप्रेरणा में सार्थक अंतर प्राप्त हुआ। इस आधार पर शोध परिकल्पना-1 स्वीकृत नहीं हुई।

2.सरकारी तथा गैर-सरकारी प्रशिक्षण महाविद्यालयो में अध्यनरत महिला प्रशिक्षणार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा की तुलना का सांख्यिकीय विश्लेषण एवं व्याख्या

परिकल्पना–2 सरकारी तथा गैर-सरकारी प्रशिक्षण महाविद्यालयों में अध्यनरत महिला प्रशिक्षणार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा में सार्थक अंतर नहीं है।प्रस्तुत अध्ययन का दूसरा उद्देश्य सरकारी तथा गैर-सरकारी

© 2024 Published by Shodh Sagar. This is an open access article distributed under the terms of the Creative Commons License [CC BY NC 4.0] and is available on https://urr.shodhsagar.com

प्रशिक्षण महाविद्यालयो में अध्यनरत महिला प्रशिक्षणार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा का तुलनात्मक अध्ययन करना प्रस्तावित था। निर्धारित उद्देश्यों की पूर्ति हेतु मध्यमान, मानक-विचलन एवं टी-प्राप्तांक का प्रयोग किया गया। टी-मान के द्वारा मध्यमानो के मध्य प्राप्त अंतर की सार्थकता की जांच की गई, जिसे सारणी-3 में दर्शाया गया है।

सारणी-4

सरकारी तथा गैर-सरकारी प्रशिक्षण महाविद्यालयों में अध्यननरत महिला प्रशिक्षणार्थियोंकी उपलब्धि अभिप्रेरणा का तुलनात्मक अध्ययन

क्रम संख्या	प्रशिक्षणार्थी	न्यादर्श	मध्यमान	मानक-विचलन	टी प्राप्तांक	सार्थकता स्तर
1.	सरकारी पुरुष प्रशिक्षणार्थी	35	132.62	27.48	5.224	0.01 स्तर पर सार्थक अंतर
2.	गैर सरकारी पुरुष प्रशिक्षणार्थी	35	148.34	22.67		

अपेक्षित टी मान = 0.05 स्तर पर 1.96
0.01 स्तर पर 2.58

सारणी-4 के अनुशीलन से यह स्पष्ट है कि सरकारी तथा गैर-सरकारी प्रशिक्षण महाविद्यालयों में अध्यनरत पुरुष प्रशिक्षणार्थियों की शोध हेतु उपलब्धि अभिप्रेरणामापनी में मध्यमान क्रमशः132.62तथा 148.34 प्राप्त हुआ। इसी क्रम में मानक विचलन 27.48, 22.67 प्राप्त हुआ। मध्यमान के आधार पर सरकारी तथा गैर-सरकारी पुरुष प्रशिक्षणार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा में प्राप्त अंतर की सार्थकता हेतु `टी-मान 5.224 प्राप्त हुआ। यह टी-मान अपेक्षित सारणीकृत मान से अधिक है। अतः सरकारी तथा गैर-सरकारी पुरुष प्रशिक्षणार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा में सार्थक अंतर प्राप्त हुआ। इस आधार पर शोध परिकल्पना-2 स्वीकृत नहीं हुई।

निष्कर्ष-

© 2024 Published by Shodh Sagar. This is an open access article distributed under the terms of the Creative Commons License [CC BY NC 4.0] and is available on https://urr.shodhsagar.com

1. सरकारी तथा गैर-सरकारी शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में अध्यनरत पुरुष प्रशिक्षणार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा में सार्थक अंतर है। इस आधार पर यह स्पष्ट है कि सरकारी तथा गैर-सरकारी पुरुष प्रशिक्षणार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा एक समान नहीं है।
2. आंकड़ों के विश्लेषण से यह ज्ञात हुआ कि सरकारी शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में अध्यनरत पुरुष प्रशिक्षणार्थियों का मध्यमान (25.89) गैर-सरकारी शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में अध्यनरत पुरुष प्रशिक्षणार्थियों के मध्यमान (19.47) से ज्यादा प्राप्त हुआ। इससे यह स्पष्ट होता है कि सरकारी शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में अध्यनरत पुरुष प्रशिक्षणार्थियों की उपलब्धिअभिप्रेरणा, गैर-सरकारी शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में अध्यनरत प्रशिक्षणार्थियों की अपेक्षाकृत उच्च प्राप्त हुई।
3. सरकारी तथा गैर-सरकारी शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में अध्यनरत महिला प्रशिक्षणार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा में सार्थक अंतर है। इस आधार पर यह स्पष्ट है कि सरकारी तथा गैर-सरकारी महिला प्रशिक्षणार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा एक समान नहीं है।
4. आंकड़ों के विश्लेषण से यह ज्ञातहुआ कि सरकारी शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में अध्यनरत पुरुष प्रशिक्षणार्थियों का मध्यमान (27.48) गैर सरकारी शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में अध्यनरत पुरुष प्रशिक्षणार्थियों के मध्यमान (22.67) से ज्यादा प्राप्त हुआ। इससे यह स्पष्ट होता है कि सरकारी शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में अध्यनरत पुरुष प्रशिक्षणार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा, गैर सरकारी शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों मेंअध्यनरत प्रशिक्षणार्थियों की अपेक्षाकृत उच्च प्राप्त हुई।

11. <u>प्रस्तुत अध्ययन का महत्व</u>

प्रस्तुत अध्ययन तथा उससे प्राप्त परिणामों प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष रूप से विद्यार्थियों, शिक्षकों, संस्थाओं एवं शैक्षिक क्षेत्र से जुड़े व्यक्तियों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो सकता है। शैक्षिक क्षेत्र में इसकी उपादेयता एवं महत्व को किसी रूप में नकारा नहीं जा सकता है क्योंकि शिक्षा के क्षेत्र में वर्तमान में शोध एक नवाचार प्रवृत्ति है जिसमें नित- नवीन परिवर्तन होते रहते हैं।

प्रस्तुत शोध के माध्यम से शोधकर्त्री ने यह जानने का प्रयास किया कि सरकारी तथा गैर- सरकारी शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों में अध्यनरत प्रशिक्षणार्थियों की शोध अभिवृत्ति एवं उपलब्धियां अभिप्रेरणा में अंतर होता है या नहीं। उक्त शोध के परिणाम आगामी शोधकर्ताओं के लिए मिल का पत्थर साबित हो सकते हैं ताकि वर्तमान शोध में रही कमियों को आगामी शोधकर्ताओं द्वारा पूर्ण किया जा सके।

© 2024 Published by Shodh Sagar. This is an open access article distributed under the terms of the Creative Commons License [CC BY NC 4.0] and is available on https://urr.shodhsagar.com

संदर्भ ग्रंथ

जोहरी एवं पाठक,(2009), "भारतीय शिक्षा का इतिहास",विनोद पुस्तक, मंदिर।

त्यागी, कुरदास दास,(2002),"भारत में शिक्षा का विकास", विनोद पुस्तक भंडार,(आगरा)।

पचोरी, गिरीश,(2006)," शिक्षा के मनोवैज्ञानिक आधार लाल बुक डिपो,(मेरठ)।

पांडे,रामशकल,(2007),"भारतीय शिक्षा की सामुदायिक समस्याएं" अग्रवाल पब्लिकेशन, (आगरा)।

पाठक,पी.डी.(1974),"भारतीय शिक्षा और उसकी समस्याएं", विनोद पुस्तक मंदिर,(आगरा)।

गुप्ता, किरन (फरवरी,2018) "ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि अभिप्रेरणा का तुलनात्मक अध्ययन" retrived fromhttps://in.docworkspace.com/d/sIOiu0-mgAcer-rAGaccessed on 15-01-2024

मिश्रा, आरती (मई,2023) "उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की उपलब्धि प्रेरणा के प्रभाव का अध्ययन" retrived from https://in.docworkspace.com/d/sIGCu0-mgAZCy-rAG accessed on 28-01-2024

मिश्रा, मुरलीधर (जनवरी,2018) 'उच्च माध्यमिक स्तर पर संस्कृति एवं हिंदी माध्यम के विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा का तुलनात्मक अध्ययन" retrivedfromhttps://www.worldwidejournals.com/ global-journal-for-research-analysis-GJRA/article/ uchch-maadhyamik -star-par-sanskrit-evm-hindi-maadhyam- ke-vidyarthiyon-kee-uplabdhi-abhiprerna -ka-tulanaatmak-adhayayan /ODM4Nw==/?is=1 accessed on 07-02-2024

साहू, मंजू (मार्च,2019) "उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य एवं उपलब्धि अभिप्रेरणा के मध्य सहसंबंध का अध्ययन" retrived fromhttps://in.docworkspace.com/d/sIO2u0-mgAZyk-rAG accessed on 17-02-2024

सिंह, भुवनेश्वर (फरवरी,2023) "माध्यमिक स्तर एवं जूनियर स्तर के अध्यापकों की पर्यावरणीय अभिव्यक्तियों का तुलनात्मक अध्ययन'n retrived fromhttps://www.socialresearchfoundation.com /new/publishjournal.php?editID=5258 accessed on 25-01-2024

© 2024 Published by Shodh Sagar. This is an open access article distributed under the terms of the Creative Commons License [CC BY NC 4.0] and is available on https://urr.shodhsagar.com

SHODH SAGAR
Universal Research Reports
ISSN: 2348-5612 | Vol. 11 | Issue 2 | Apr-Jun 2024 | Peer Reviewed & Refereed

© 2024 Published by Shodh Sagar. This is an open access article distributed under the terms of the Creative Commons License [CC BY NC 4.0] and is available on https://urr.shodhsagar.com